औघोगिक एवं तकनीकी आपदाएं

(Industrial and Technological Disasters)

डा. संजय कुमार

(Dr. SANJAY KUMARR)

P.G. Deptt of Geography

Maharaja College, Ara, Bihar, India

Dr. Sanjay Kumarr Ara

.

औघोगिक एवं तकनीकी आपदाएं

(Industrial and Technological Disasters)

Webster डिक्शनरी के अनुसार आपदा की परिभाषा है – A grave occurrence having ruiness result is disaster. W.H.O के अनुसार - Disasters are any occurrence that causes damage economic destruction, loss of life and deterioration in health and health services on large-scale sufficient to warning and extraordinary response from outside the affected community or area. दूसरे शब्दों में - ऐसी कोई भी भौगोलिक घटना जिससे बड़े स्तर पर जानमाल का नुकसान होता है तथा जिसकी भरपाई स्थानीय संसाधनों से संभव न हो, आपदा की श्रेणी में

DO NOT COPY Prof Sanjay Kumarr Ara

आता है। सतत् विकास के तकनीकी समाज में आज मानव ने प्रतिस्पर्धा की वजह से कई नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है । चाँद तक छलांग, मंगल ग्रह तक की यात्रा, आधुनिक हथियारों का विकास, तीव्र गति से चलनेवाली रेलगाड़ियां तथा सामरिक दृष्टि से ताकतवर साबित करने की होड़ में मानव ने औघोगिक एवं तकनीकी रूप से प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है।लेकिन जब कभी ये मानवीय भूल का शिकार होती हैं तब यही विकास का रूप, भयंकर आपदा का रूप ले लेता है। सामान्यतः ऐसी आपदा या दुर्घटना जिसका कारण, रिसाव, विकिरण विस्फोट, आग, ढांचागत खराबी और परिवहन की गड़बड़ियाँ होती है, तब वे औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी आपदाएं कहलाती हैं।

मानवीय भूल के कारण घटित ऐसी घटनाओं में प्रमुखता से नाभिकीय, रासायनिक और जैविक आपदाएं शामिल हैं। इन आपदाओं के कारण वृहत

DO NOT COPY Prof. Sanjay Kumar Ah

स्तर पर न सिर्फ मानवीय समूह का वरन् आसपास के वन्यजीवों का भी विनाश होता है। मानवीय अंग-भंग हो जाने का भय भी स्थाई रूप से बन जाता है। हिरोशिमा पर बम विस्फोट तथा भोपाल गैस रिसाव कांड जैसी दुर्घटनाओं को मानवीय कहा जा सकता है। तकनीकी विकास का उद्देश्य जन-कल्याण, गरीबी निवारण तथा समाज में सुख-शांति फैलाना है, परन्तु वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान के दूषित उपयोग में क्रमशः वृद्धि ही देखी जा रही है।

औद्योगिक एवं तकनीकी आपदाओं का पूर्वानुमान संभव नहीं है। यह कभी भी घटित हो सकता है। मशीनों और यंत्रों के संदर्भ में खराबी के बीच औसतन समय की अवधारणा काम करती है परंतु यह जरूरी नहीं है कि हर एक तकनीकी खराबी का नतीजा आपदा ही हो।ऐसे क्षेत्रों में आपदा के कारण होते हैं-

Do Not copy Prof. Sanjay Kumar Ala

1. सुविधाओं की देखरेख में कमी,

2. देखरेख करने वाले कर्मचारी को सही प्रशिक्षण का अभाव,

3. लापरवाही के गंभीर परिणामों के प्रति जागरूकता की कमी,

4. सावधानी बरतने के तरीकों के अभ्यास में कमी ,

5. अधिक काम करने के कारण थकान की स्थिति,

6. विशेषज्ञ के बिना संयंत्र में स्वयं जानबूझकर अंदर या बाहर से तोड़-मरोड़ करना

प्रमुख औद्योगिक एवं तकनीकी आपदाएं

(Major Industrial and Technological Disasters)

औद्योगिक एवं तकनीकी आपदाएं कई प्रकार की होती है। ऐसी आपदाएं प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा गंभीर तथा विनाशक होते हैं । इन आपदाओं की सही

DO NOT COPY Prof. Sanjay Kumar Ara

जानकारी ही इनके प्रति सचेत रहना या जागरूकता है। ऐसे ही कुछ आपदाओं का विवरण आगे दिया जा रहा है-

नाभिकीय आपदा (Nuclear Disaster)

रासायनिक आपदा (Chemical Disaster)

जैविक आपदा (Biological Disaster)

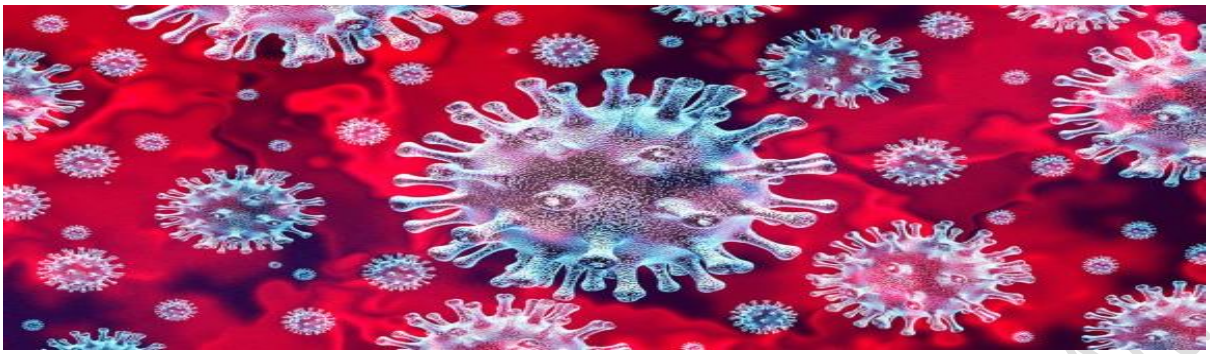

परिवहन आपदा (Transport Disaster)

आतंकवादी हमले (Terrorist Attack)

सांप्रदायिक हमले (Communal Riots)

All photographs have been downloaded from internet

DO NOT COPY Prof. Sanjay